हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 28 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

छात्रों को प्रशिक्षण देकर रोजगार व स्वरोजगार की कराई तैयारी

मण्डला। समग्र शिक्षा अभियान द्वारा संचालित प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में नवीन व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत सीएम राइज विद्यालय नारायणगंज में कक्षा 10 के छात्र कौशल शिक्षा प्राप्त की। आयोजित प्रशिक्षण में विद्यार्थियों ने नारायणगंज स्थित ईशा इंस्टीट्यूट आफ कम्प्यूटर एजूकेशन में 21 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें छात्रों ने अपने ट्रेड आईटी, आईटीईएस से संबंधित कार्य का प्रशिक्षण लिया। बताया गया कि नवीन व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण में हिंदी टाइपिंग, सीपीसीटी, फोटोशॉप एवं ऑफिस कार्य आदि का प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिसमें छात्रों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। छात्रों को दिए गए प्रशिक्षण में व्यावसायिक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को वर्तमान समय में बाजार, व्यवसाय में चल रहे रोजगार कार्यो से परिचित कराकर छात्रों को दक्ष कराना है।
बताया गया कि ओजेटी कार्यक्रम के दौरान नारायणगंज ब्लॉक शिक्षा अधिकारी आरके विश्वकर्मा ने प्रशिक्षण दौरान अपना मार्गदर्शन छात्रों को दिया। आयोजित प्रशिक्षण का समापन कार्यक्रम सीएम राइज विद्यालय नारायणगंज प्राचार्य श्रीमती अर्चना नेमा की अध्यक्षता और व्यवसायिक प्रशिक्षक हेमंत पटेल की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

प्रत्येक विधानसभा के लिए 21-21 टेबिल

मण्डला। कलेक्टर डॉ सिडाना ने बताया कि पूरे संसदीय क्षेत्र के डाक मतपत्रों की गणना पॉलीटेक्निक कॉलेज मंडला में की जाएगी जिनके लिए 10 टेबिल लगाई गई हैं। मंडला संसदीय क्षेत्र में समाहित डिंडौरीए शहपुराए केवलारीए लखनादौन एवं गोटेगांव विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना संबंधित जिलों में की जाएगी। मंडला जिले की बिछियाए निवास एवं मंडला विधानसभा के मतों की गणना पॉलीटेक्निक कॉलेज मंडला में होगी जिनके लिए प्रति विधानसभा 21-21 टेबिल लगाई जा रही है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि अभ्यर्थी एवं अभिकर्ता सुबह 7 बजे तक पहुंचकर निर्धारित विधानसभा एवं निर्धारित टेबिल के सामने नियत स्थान पर ही बैठें।

54 करोड़ से हो रहा मंडला से जबलपुर मार्ग का सुधार कार्य

एनएच 30 मार्ग की मरम्मत में गुणवत्ता नहीं

उखड़ रहे हाईवे के थिगड़े

मण्डला। करोड़ों की सड़क पर वाहनों की रफ्तार धीमी होने के साथ गुणवत्ताविहीन मार्ग के कारण जिलेवासियों समेत यहां से गुजरने वाले वाहन, राहगीरों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। जगह-जगह मार्ग में गड्ढे, क्रेक के कारण वाहन अनियंत्रित हो रहे है। जिससे हादसे का अंदेशा बना रहता है। एनएच 30 मार्ग निर्माण में इसकी गुणवत्ता को लेकर समझौता किया गया है। सड़क का कार्य जैसे तैसे पूर्ण किया जा रहा था, लेकिन गुणवत्ताविहीन कार्य के चलते पिछले वर्ष नवंबर में मंडला जबलपुर मार्ग निर्माण ठेका को निरस्त कर नेशनल हाईवे के स्टेंडर्ड अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके बाद से दोबारा नेशनल हाईवे 30 मार्ग के मरम्मत के लिए 54 करोड़ रूपए का टेंडर किया गया। हाईवे मार्ग का मरम्मतीकरण शुरू किया गया, लेकिन ये कार्य भी गुणवत्तायुक्त दिखाई नहीं दे रहा है।
जानकारी अनुसार विगत नौ साल से मंडला जबलपुर नेशनल हाईवे 30 का निर्माण कार्य जारी है, लेकिन आज दिनांक तक इस मार्ग का निर्माण पूर्ण नहीं हो सका है। मंडला जबलपुर के बीच कार्य अधूरे पड़े है, जिसका खामियाजा यहां से गुजरने वाले राहगीर के साथ स्थानीय जनों को उठाना पड़ रहा है। ठेका निरस्त होने के पूर्व संबंधित ठेका कंपनी द्वारा गुणवत्ताविहीन कार्य को छुपाने के लिए कंपनी द्वारा खूब थिगड़े लगाए गए, लेकिन सड़क की गुणवत्ता सुधार नहीं पाए। ठेका कंपनी द्वारा जो थिगड़े लगाए गए वे भी हफ्ते, दो हफ्ते में दोबारा उखड़ गए। इसके बाद नया टेंडर हुआ, और मार्ग निर्माण कंपनी ने एनएच 30 मार्ग का सुधारीकरण और मरम्मतीकरण शुरू हुआ। जबलपुर से लेकर मंडला कटरा बायपास तिराहा तक सड़क के हाल देखकर कोई भी बता सकता है कि सड़क का सुधारीकरण कितनी गुणवत्ता से किया जा रहा है। कदम कदम पर सड़क निर्माण में लापरवाही साफ देखी जा सकती है। गुणवत्ताविहीन मार्ग को सही करने मार्ग निर्माण कंपनी कार्य कर रही है, लेकिन मरम्मतीकरण मार्ग दोबारा उखडने की कगार पर है।

63.55 किमी का मार्ग जस की तस

बताया गया कि मंडला से जबलपुर नेशनल हाईवे 30 के बीच बरेला मंडला सेक्शन की 63.55 किमी मार्ग के पुर्नसुधार और शेष बचे कार्यों के लिए मिनिस्टरी ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे ने एमपीआरडीसी के माध्यम से करीब 53.94 करोड़ का टेंडर जारी किया था। इस मार्ग निर्माण कार्य के लिए करीब 8 माह का समय निर्धारित किया गया था। विभाग द्वारा जारी इस टेंडर को खोलने के बाद आज करीब एक वर्ष हो चुके है, लेकिन निर्धारित समय में इस निर्माण कंपनी के द्वारा भी कार्य पूर्ण नहीं हो सका है। नेशनल हाईवे के हालत आज भी जस के तस नजर आ रहे है।

बारिश में फिर मुसीबत बनेगा मार्ग

वर्ष 2015 में सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया था, जो वर्तमान में लगभग एक-दो क्षेत्रों को छोड़कर पूर्ण होने की बात कही जा रही थी। कुडमैली में ब्रिज निर्माण समेत कुछ स्थानों पर पहाड़ की कटिंग होना शेष है। इन स्थानों पर लोगों को कच्चे और सकरे डायवर्सन मार्ग से आवाजाही करनी पड़ रही है, जिसकी वजह से लोगों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद इस मार्ग के लिए दोबारा टेंडर जारी किया गया, नई निर्माण कंपनी को ठेका मिला, एनएच 30 का मरम्मतीकरण शुरू किया गया। लेकिन आज दिनांक तक जहां पहले कार्य हो जाना चाहिए था, वहां कार्य जस की तस है। बबैहा के आगे पहाड़ी वाला हिस्सा आज भी दुर्दशा का शिकार है। लोगों को जर्जर और धूल भरे मार्ग से होकर गुजरना पड़ रहा है। विगत एक पखवाड़े पहले मंडला कलेक्टर डॉ सलोनी सिडाना ने निर्माण कंपनी को पहाड़ी वाले मार्ग को 15 दिनों में शुरू करने के निर्देश दिए थे, लेकिन आज दिनांक तक पहाड़ कटिंग का मटेरियल वहां से साफ नहीं हो सका है। जिसके कारण लोगों को धूल के गुब्बारों के बीच होकर आवागमन करना पड़ रहा है। इस मार्ग में थोड़ी बारिश में जाम की स्थिति बन जाती है, जिसके कारण यात्रियों समेत यहां से गुजरने वाले भारी वाहनों को घंटो इंतजार करना पड़ता है। मानसून भी अब बहुत करीब है, ऐसे में एक बार फिर लोगों को यहां से गुजरने में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नेशनल हाईवे होने के कारण इस मार्ग से भारी वाहन गुजरते हैं जो अक्सर इन डायवर्सन में फंस जाते हैं और मार्ग पर लम्बा जाम लग जाता है।

लेकिन सड़क की दारारें दे रही जबाव

बताया गया कि नए टेंडर के अंतर्गत पहाड़ी कटिंग, राइडिंग क्वॉलिटी क्रेक, कांक्रीट पैनल सुधार समेत अन्य कार्य होना था। राइडिंग क्वॉलिटी सुधरने के लिए आईआरसी के प्रोविजन के अनुसार कांक्रीट की लेयर चढ़ाई जानी थी। एनएच 30 का सुधारीकरण शुरू तो हुआ। जहां ज्यादा दारारें थी वहां के काक्रांटी मार्ग को उखाड़ा गया है, इसके बाद उस स्थान में कांक्रीट की नई लेयर चढ़ाई गई, लेकिन ये लेयर भी किनारों से दरकने लगी। नई लेयर डालने के बाद नई दारारें आने लगी। कुछ एक स्थानों पर डामलीकरण कर दिया गया है, लेकिन यह डामलीकरण भी कितने दिनों तक इस मार्ग पर टिक पाएगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। हाईवे मार्ग की दारारें इतनी भयानक है कि वाहन यदि इन दारारों से गुजर जाए तो वाहन अनियंत्रित होने का खतरा हमेशा बना रहता है और हादसे का अंदेशा रहता है। जिले के हाईवे मार्ग में होने वाले सड़क हादसों पर लगाम लगे, इसके लिए मार्ग का सही होना भी इस पर निर्भर करता है। लेकिन ऐसा होना संभव नहीं लग रहा है।

अभ्यर्थी एवं उनके अभिकर्ताओं को बताई गई मतगणना की प्रक्रिया

मण्डला। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत मंडला संसदीय क्षेत्र की बिछियाए निवास एवं मंडला विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 4 जून को प्रातः 7 बजे से शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। इस संबंध में जिला योजना भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अभ्यर्थियों तथा उनके अभिकर्ताओं को मतदान की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। इसअवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉण सलोनी सिडाना ने कहा कि मतगणना पूरे निर्वाचन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। भारत

जिला योजना भवन में आयोजित किया गया प्रशिक्षण

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतगणना से संबंधित आवश्यक सभी तैयारियाँ पूर्ण की जा रही हैं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमटएअपर कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार सिंहए संयुक्त कलेक्टर अरविंद सिंहए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा सहित संबंधित उपस्थित रहे।

नगरी सीमा से लगी पंचायतों में सफाई का अभाव

मण्डला। नगरीय सीमा की ग्राम पंचायतें स्वच्छता को लेकर लापरवाही बरत रही है। खासकर ग्राम पंचायत बिंझिया, खैरी और देवदरा पंचायत क्षेत्र में जगह-जगह गंदगी व कचरा का ढेर लगा हुआ हैं। इससे लोगों को संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। देवदरा पंचायत में तो स्कूल भवन के सामने कचरा का ढेर लगा रहता है। जिससे स्थानीय रहवासी परेशान है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में इ-कचरा वाहन भी दिया गया है। प्लास्टिक हवा तूफान के कारण घरो के अंदर जा रहे है जिससे संक्रमण का खतरा बना हुआ है। गंदगी के कारण मच्छर पनप रहे है। पंचायतो में साफ -सफाई नहीं होने से नालियां भरी पड़ी है। जिनसे सड़क पर गंदा पानी बह रहा है। सिंगल यूज प्लास्टिक यहा वहां बिखरी हुई है। ग्राम पंचायत बिझिया और नगरीय निकाय मंडला की सीमा देखकर कहा नहीं जा सकता है कि पंचायत है लेकिन यहां पर पॉश एरिया नजर आता है। सभी नौकरी पेशा और अर्थिक संपन्न वाले लोग निवास करते है लेकिन स्वच्छता पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यही हाल ग्राम पंचायत खैरी के है यहां भी कॉलोनी बनाई गई है।

वैज्ञानिक भी दे रहे मोटे अनाज के उपयोग की सलाह

मण्डला। मवई विकासखंड के ग्राम अंजनी तथा नारायणगंज विकासखंड के बीजेगांव में कृषक संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसानों को जैविक खेती के बढ़ते महत्व तथा कोदो.कुटकीए चियाए रागी आदि मिलेट्स की खेती को व्यावसायिक रूप प्रदान करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। अंजनी में आयोजित किसान संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट ने कहा कि मोटे अनाज में कोदो.कुटकी सहित अन्य मोटे अनाज में पौष्टिक तत्व होते हैंए जो

हमें विभिन्न प्रकार के रोगों से बचाते हैं। वैज्ञानिक भी कोदो.कुटकीए चियाए रागी आदि मिलेट्स के उपयोग की सलाह देते हैं जिसके कारण इनकी मांग लगातार बढ़ती जा रही है। मोटे अनाज की खेती अब अधिक मुनाफा दे रही है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि कोदो.कुटकी की खेती में उन्नत किस्म के बीज लगाएं तथा खेती में वैज्ञानिक तरीकों का उपयोग करें। मोटे अनाज की खेती में पानी की आवश्यकता कम पड़ती है। श्री कूमट ने कोदो.कुटकी के संग्रहणए प्रसंस्करण तथा मार्केटिंग आदि के संबंध में भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।
प्रशिक्षण में उपसंचालक कृषि मधु अली द्वारा बताया गया कि खेती में उन्नत प्रमाणित
बीज के उपयोग और कतार में बोनी करने मात्र से 15 से 20 प्रतिशत उपज बढ़ जाती
है।कतार पद्धति से बोनी करने पर बीज की मात्रा कम लगती है वहीं छिड़काव पद्धति से बीज अधिक लगता है जिससे कृषि की लागत बढ़ती है। कोदो.कुटकीए रागीए आदि मोटे अनाज की खेती में रसायनिक खाद की आवश्यकता नहीं है। जैविक खाद का उपयोग कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाई जा सकती है। इन फसलों के लिए गोबर खादए केंचुआ खादए जीवामृत का उपयोग किया जा सकता है जो मिट्टी की उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मददगार होते है। प्रशिक्षण में कोदो-कुटकी की खेती में कृषि यंत्रों के उपयोग तथा उपलब्धता के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने में आईआरएडी एप्प की महत्वपूर्ण भूमिका

मण्डला। थाना यातायात में पुलिस अधीक्षक मंडला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस अनुप्रयोग आईआरएडी एप्प पोर्टल पर जिले मं सड़क दुर्घटनाओं के प्रकरणों की ऑनलाइन डाटा एंट्री की जा रही है। बताया गया कि थाना स्तर पर इसके बेहतर क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण में आईआरएडी एप्प के उपयोग एवं बैकलॉग डाटा एंट्री के बारे में जिले के पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी एवं अधिकारी, कर्मचारियों को आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी देने के

साथ आ रही समस्याओं के समाधान का निराकरण बताया गया। आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में पुलिस अधिकारी, कर्मचारी को उचित समाधान बताते हुए जिले के डिस्ट्रिक्ट रोल आउट मैनेजर अभिजीत सोनवानी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

पुलिस कंट्रोल रूम में तीन नए कानूनों का प्रशिक्षण प्रारंभ

मंडला पुलिस के समस्त विवेचको को मास्टर ट्रेनर्स देंगे प्रशिक्षण

मण्डला। तीन नवीन अधिनियम भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता - 2023 व भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को 01 जुलाई 2024 से लागू किये जाने के संबंध में अधिसूचना भारत सरकार ने पूर्व में ही जारी कर दी है। इस संबंध में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के लगभग 212 से भी अधिक अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय स्तर पर मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया हैं। बताया गया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार प्रशिक्षण प्राप्त विधि विशेषज्ञो एवं मास्टर ट्रेनर्स द्वारा जिले के थानों एवं अन्य शाखाओं में नियुक्त विवेचकों के प्रशिक्षित करने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में 27 मई से कार्यशाला शुरू की गई है। इसी क्रम में लगातार अलग अलग चरणों में दिये जाने वाले प्रशिक्षण में थानों में पदस्थ पुलिस कर्मियों को नये अधिनियमों के संबंध में विस्तार से जानकारी एवं बारीकियों के संबंध में बताया जा रहा हैं। प्रशिक्षण की शुरूआत में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा उपस्थित विवेचकों को नवीन अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस थाना प्रभारी कोतवाली मंडला निरीक्षक शफीक खान, महिला थाना प्रभारी आरती उईके, उप निरीक्षक प्रीती वर्मा व अन्य विवेचकों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध, फिर भी हर दिन निकल रहा दो टन

बाजार में पहुंचने वाले डिस्पोजल, पॉलिथीन पर नहीं लग पा रही रोक

मण्डला। नगर पालिका सिंगल यूज प्लास्टिक में प्रतिबंध का पालन नहीं करा पा रही है। समय समय पर दुकानों पर कार्रवाई कर जब्ती व जुर्माने की कार्रवाई तो होती है। लेकिन बाजार तक प्रतिबंधित प्लास्टिक के पहुंचने पर रोक नहीं लग पा रही है। गौरतलब है कि सिंगल यूज डिस्पोजल के उपयोग को सामाजिक चलन से बाहर नहीं किया जा सका है। हर दिन शहरी कचरे में मौजूद करीब पांच टन प्लास्टिक को रोकने प्रशासन ने तमाम प्रयास किए। फिर भी इसके कचरे का पहाड़ बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जानकारी के मुताबिक प्लास्टिक से बनी कुछ चीजों पर पहले से ही प्रतिबंध लागू है। इनमें 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग, थैलियों के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर रोक शामिल है। इसके अलावा एक जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, आयात, स्टॉक, वितरण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। उसमें प्लास्टिक से बनी वह स्टिक (डंडी) भी शामिल हैं, जो गुब्बारे, आइसक्रीम, कैंडी में इस्तेमाल होती है। प्लास्टिक के कप, गिलास, चम्मच, कांटे, चाकू, स्ट्रॉ और प्लास्टिक या पीवीसी से बने 100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले बैनर पर भी रोक लगाई गई है। इस प्रतिबंध

के बावजूद बाजार में भी कहीं न कहीं से प्लास्टिक-पॉलीथिन आधारित सामग्री बाजार में धड़ल्ले से आ रही और बेंची जा रही है। निगम के अधिकारी, कर्मचारी इसके स्रोत का पता नहीं लगा पाए हैं। नगर निगम के कचरा प्लांट में देखा जाए तो हर दिन पांच टन कचरा अकेला पॉलीथिन-प्लास्टिक का है। ग्रामीण इलाकों में भी इसे जहां-तहां पड़े देखा जा सकता है। शहर में समाजसेवी भी प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ लोगों को जागरूक कर रहे हैं। नर्मदा तट के रपटा घाट, संगम को पॉलिथीन मुत बानाने के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके बाद भी शहर में निकलने वाले १*-१४ टन कचरे में २ से * टन प्रतिबंधित प्लास्टिक रहती है। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन कान्हा नेशनल पार्क में भी प्लास्टिक प्रतिबंधित कर दिया गया है। लेकिन आज भी यहां दुकानो में प्रतिबंधित प्लास्टिक आसानी से उपयोग में लाई जा रही है। सख्ती से पालन न होने के कारण यहां बाघ की धरती में भी पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में सफलता नहीं मिल रही है।

खबर संक्षेप

समस्याओं के मकड़जाल में उलझे ग्रामीण, शासन की योजनाएं कागजों तक

सालीचौका। सरकारे की कितने ही दावे करे मगर नीचले स्तर की सच्चाई को नही ठुकराया जा सकता है? यह बात अलग है कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का विकास करने के लिए भला करोड़ो रूपया पानी की तरह बहाया जा रहा हो मगर ग्रामीण क्षेत्रों की यदि सच्चाई पर जाया तो हकीकत कुछ और ही दिखाई दे रही है? क्षेत्रवासी आज भी अनेक समस्याओं से गुजर रहे है? क्षेत्र के अनेक ग्राम पंचायते वनों के बीच स्थित हैं जिनमें कु छ ग्राम ऐंसे हैं जहाँ आवागमन हेतु आज भी सड़के उपलब्ध नहीं हो पाइं हैं न ही ऐंसी ग्राम पंचायतो व ग्रामों का विकास ही हो रहा है? जिसके चलते अंधकार में डूबे गाँवों में जब कोई बीमार हो जाता है तो उसके इलाज के लिये ग्राम में कोई सुविधा तक उपलब्ध नहीं है? जहाँ से उन्हें प्राथमिक उपचार देकर स्वास्थ्य केन्द्र पहुँचाया जा सके, प्रदेश में बीते वर्षों में गाँव-गाँव, घर-घर बिजली देने का अभियान चलाया गया था, जिसके तहत गरीब आदिवासियों को बिजली दी जानी थी। लेकिन उस अभियान के बाद भी क्षेत्र के ग्रामों में बिजली नहीं पहुँच पाई है लेकिन जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों ने शासन प्रशासन को गुमराह कर झूठी वाहवाही लूटी जिसका दुष्परिणाम आज भी क्षेत्र के गरीब आदिवासी भुगत रहे हैं। इन दिनों क्षेत्र में बिजली की बेजा कटौती हो रही है, बिजली के आने जाने का काई समय निर्धारित नहीं है,क्षेत्र की शालाओं में पदस्थ शिक्षक-शिक्षिकाएँ समय बेसमय आना जाना करना आम बात रहती है? जिससे शिक्षण कार्य प्रभावित होता रहता है, मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग के अधिकारीगण जानते बूझते इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं, बनाचंल के क्षेत्रवासी आज भी अभावों में जीवन गुजार रहे हैं, गरीब आदिवासियों ने अनेकों बार अपनी मूलभूत समस्याओं से जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों को अवगत कराया किंतु उन्हें झूठे आश्वासनों के अलावा और कुछ नहीं मिला जिससे क्षेत्रवासियों में शासन-प्रशासन के खिलाफ खासा असंतोष व्याप्त है।

पेट की खातिर भीषण गर्मी के बीच मेहनत करने वालों को तो सिर्फ अपने पेट की चिंता

सांईखेड़ा। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी का आलम इस प्रकार से देखा जा रहा है कि दिन के 11 बजते ही जहां सड़के सूनी दिखाई देने से नही चूक पा रही है, क्योंकि साधन संपन्न लोग अपने घरों में लगे हुये कूलर पंखों के बीच दोपहर के समय आराम फरमाते हुये देखे जा रहे है। मगर उन लोगों को न तो तेज तपन का असर पड़ता है और न ही कूलर पंखें राहत दिला पा रहे है जो दिन भर मेहनत करते हुये शाम के वक्त मिलने वाली कमाई से ही अपना व अपने बच्चों का पेट भरने के लिये मजबूर रहते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस तेज तपन के चलते सूनी पड़ी हुई सड़क पर एक गरीब को हाथ ठेला ले जाते हुये देखा गया तो जब उससे कहा कि भाई कुछ देर के लिये छाव में आराम से बैठ लो..? तो उस गरीब का मात्र एक ही जबाव था कि भाई यदि छाव में बैठ गये तो शाम के वक्त बच्चे भोजन कैसे कर पायेगे। क्योंकि दिन भर कमाई करेगे तभी तो शाम के वक्त बच्चों को पेट भरकर भोजन करा पायेगे, निश्चित ही यह सच्चाई जहां एक गरीब की सच्चाई उजागर करने से नही चूक पा रही थी, जिसके चलते न तो इस समय पड़ रही भीषण गर्मी का अहसास हो रहा है और न ही उसे कूलर व पंखें उसके सामने खड़ी हुई गरीबी को ठंडक पहुचाते हुये जान पड़ रहे है।

राष्ट्रभाषा हिन्दी होने के बाद भी अंग्रेजी का उपयोग होने से मुश्बित में देखे जा रहे अन्नदाता किसान, बैंकों सहित सरकारी दफ्तरों में बगैर जानकारी भी करवा लिये जाते है हस्ताक्षर...?

बैकों से लेकर अन्य शासकीय कार्यालायों में अनुबंध भरवाने में अंग्रेजी भाषा का बोलबाला होने से फंस रहे भोलेभाले ग्रामीणजन, बाद में पछताने के लिये होना पड़ता है मजबूर

गाडरवारा

हमारे देश में भले ही हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा जरूर मिल गया है मगर वह मात्र कागजों की सीमित दिखाई दे रहा है। जबकि सच्चाई यह है कि आज भी देखा जाता है कि अनेक बैकों में स्पष्ट लिखा होता है कि हिन्दी का उपयोग किया जावेगा तो हमे बड़ी प्रसन्नता होगी..। मगर यह बात सिर्फ वोर्डो में शोभा बढाने के साथ कागजों तक ही सीमित होते हुये जान पड़ रही है। क्योंकि अभी भी बैकों सहित बिजली विभाग व अन्य फाईनेस कंपनियों के आलवा अपने माल को उपभोक्ताओं को बेचने वाली कंपनियों में अंग्रेजी का वर्चस्व बना हुआ है। जिसके चलते हालत यह है कि कई नामचीन कंपनियों के लिए काम करने वाले स्टाईलिश युवा फर्राटेदार अंग्रेजी बोलकर पहले तो उपभोक्ताओं को प्रभावित करने की चेष्टा करते है और बाद में मशीन या अन्य प्रकार की सामग्री फाईनेस करने के लिए अंग्रेजी भाषा में लिखा एग्रीमेन्ट फार्म पेश कर देते है। जिसके चलते इस प्रकार से अंग्रेजी से परिपूर्ण दस्तावेजों को अनेक लोग अंग्रेजी भाषा के ज्ञान का आभाव होने के कारण बगैर पढ़े लिखे उनके द्वारा उसे अगैर समझे ही हस्ताक्षर या फिर अंगूठा लगवा लेते है। जबकि उस अंग्रेजी एग्रीमेन्ट में क्या लिखा है वह उपभोक्ता को पता ही नही रहता है। गौरतलब है कि अंग्रेजी न जानने वाले बहुत से उपभोक्ता कंपनियों के अभिकर्ताओं की बातों में आकर इन अनुबंध पत्रों पर हस्ताक्षर तो कर देते है। मगर बाद में उनके दिमाग में यह शंका उभरने लगती है कि अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर करने के दौरान कही उनसे ऐसी गलती तो नही हो गई है। जिसके कारण बाद में उन्हें पछताने मजबूर होना पड़े और अक्सर ऐसा होता भी है? भारत की समर्थ राष्ट्रीयभाषा हिन्दी के बोलने, समझने, लिखने वालों की बड़ी तादाद क्षेत्र में होने के बावजूद भी अंग्रेजी भाषा में लिखे अनुबंध पत्रों के गोरख धंधा को लेकर समूचे क्षेत्र में इन दिनों कई तरह की चर्चाएं सुनाई पड़ रही है? आमजनों का कहना है कि कभी-कभी अंग्रेजी भाषा में उपभोक्ताओं के सामने पेश किये जाने वाले एग्रीमेन्ट फार्म भ्रम पैदा करते हे और शासकीय विभागों या कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच तनी विश्वास की डोर ढ़ीली पड़ने लगती है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदार विभागों, कंपनियों के अनुबंध पत्रों में हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। इस संबंध में जब हमारी हरिभूमि टीम ने आम लोगों से चर्चा की गई तो इस सच्चाई को लेकर चर्चा करते हुए सांईखेडा निवासी दीपक अग्रवाल का कहना है कि हमारे देश की सरकारे लगातार राष्ट्रीय भाषा हिन्दी को सम्मान जनक दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है और अक्सर देखा जाता है कि कई बैक भी हर साल हिन्दी पखबाड़ा मनाने में पीछे नही रहते है। पर आमतौर पर देखने में आता है कि ऋण लेने के लिए उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित अनुबंध भरवाये जाते है। इस हालत में निश्चित ही अंग्रेजी का ज्ञान न होने से अधिकतर व्यक्ति दुविधा में पड़ जाते है? इस सच्चाई को ध्यान में रखते हुए कम से कम हमारे देश में तो राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं में अंग्रेजी का खेल समाप्त करने की दिशा में सरकार को पहल करना चाहिए जिससे प्रमुख रूप से लोगों को इस बात की जानकारी रहना चाहिए कि आखिर में उनके द्वारा जिन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किये गये है उनमें लिखा क्या था...। वही इस सच्चाई को लेकर जब युवा सालीचौका निवासी राजेश वर्मा से चर्चा की गई तो उनका मानना है कि हिन्दी हमारी मातृ भाषा है, और यह भापा हमारे देश की शान होने के साथ साथ यह आम बोलचाल की सहज में समझ में आने वाली भाषा है। लेकिन बिडम्बना की बात है कि अनेक शासकीय विभागों व बैक शाखाओं में अभी तक अंग्रेजी भाषा में लिखित अनुबंध पत्र भरवाये जाते है जो ये एग्रीमेन्ट फार्म बिना समझे उपभोक्ताओं का इन पर हस्ताक्षर करने से कई समस्याआएं पैदा हो रही है और एक तरह से राष्ट्र भाषा भी अपमानित हो रही है? लिहाजा बैको, कंपनियों को एग्रीमेनट फार्म हिन्दी भाषा में प्रकाशित कराने की व्यवस्था कराना चाहिए। इस प्रकार से ग्राम मऊ निवासी राधे श्याम का कहना है कि वर्तमान में काफी हद तक मा.न्यायालयों, रेल विभाग में हिन्दी का प्रयोग होने लगा है। किन्तु इसके बावजूद बैको सहित अनेक निजी कंपनियों जो लोगों को एग्रीमेन्ट कराकर सामन उपलब्ध कराने के साथ साथ धन भी देती है। वह अपना अंग्रेजी को अपने दामन से लगायी बैठी है, जो अपना अंग्रेजी भाषा के माध्यम से कौन से एग्रीमेन्ट ले लेती है उसका उपभोक्ता को पता नही रहता है? और वह उस पर अपनी सहमती का ठप्पा लगा देता है? इनकी प्रचार सामग्री में अंग्रेजी का थोड़ा बहुत इस्तेमाल तो समझ में आता है, पर एग्रीमेन्ट फार्मो में भी अग्रेजी उड़ेलना ठीक नही है? ऐसा लगता है कि ये कंपनियाँ अंग्रेजी की आड़ में झाड़ काटने में यकीन रखती है, इनके अंग्रेजी प्रेम पर रोक लगना समय की मांग है। वही नगर निवासी रजनीश कौरव का कहना है कि उपभोक्ताओं में ऋण लेने खासा लाभ देने वाली मशीने खरीदने की स्वाभाविक बैचेनी रहती है, इस हड़बड़ी के चलते कई कंपनियाँ अधिकतर उपभोक्ताओं से अंग्रेजी भाषा में लिखें अनुबंध पत्र भरवा लेती है, मिसाल मिली है कि इन एग्रीमेन्ट फार्मो पर उतावली में दस्तखत कर उपभोक्ताओं को पश्चयाताप की आग में तपना पड़ता है? बेतहर यही होगा कि सभी कंपनियाँ हिन्दी भाषा में अनुबंध पत्र प्रकाशित कर उपभोक्ताओं का विश्वास जीतने का प्रयास करें तभी हम हमारे देश में हिन्दी को सम्मानित कर पाने में सफल हो सकते है?

क्या बारूद के ढेर पर बैठ चुका है गाडरवारा शहर..?

स्टेशन मार्ग पर कबाड़ के रूप में खड़े हुये ट्रक में लगी आग, नगर में बड़ी घटना घटित होने से टली

गाडरवारा। अक्सर शासन प्रशासन को देखा जाता है कि जब किसी महानगर या फिर शहर में कोई बड़ी घटना घटित होती है और उस घटना की सच्चाई पर पर्दा डालने के लिये दिये जाने वाले आदेश के परिपालन में अधिकारियों को कार्यवाही की औपचारिकता पूर्ण करते हुये देखा जाता है। मगर सच्चाई को जिस तरह नजर अंदाज कर दिया जाता है उसी का परिणाम बड़ी घटना के रूप में देखने मिलता है? क्योंकि कुछ माह पहले एक फटाका फैक्ट्री में हुये विष्फोट के बाद प्रशासन की टीम को कुछ हर कत में आते हुये देखा गया था इसके बाद जब जबलपुर शहर में एक कबाड़ खाने में घटित हुई आगजनी के घटना के बाद अधिकारियों को शहर के अंदर संचालित होने वाले कबाड़ खानों की खोज खबर लेने की औपचारिकता करते हुये देखा गया था। मगर उन घटनाओं को ज्यों ज्यों समय बीतते चला जाता है त्यों त्यों अधिकारियों की जांच में ठंडे वस्ते में जाने से नही चूक पाती है? क्योंकि शहरों के अंदर रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाले यह कबाड़ खाने का विस्फोटक स्थिति का रूप धारण कर ले इस बात की चिंता शासन प्रशासन में बैठे हुये किसी जिम्मेदारों को नही रहती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा शहर में भी देखने मिल रही है। क्योंकि नगर के अंदर रहवासी क्षेत्रों में दर्जनों से कबाड़ खाने संचाहित होते हुये देखे जा रहे है। इस बात की सच्चाई बीते हुये कुछ साल पहले शहनाई गार्डन जाने वाले मार्ग पर देखने भी मिल चुकी है जब कबाड़ खाने में आग लगी थी तो वहां पर निवास करने वाले लोगों की सांसे हलक में अटकने से नही चूक पाई थी? क्योंकि इस कबाड़ खाने से चंद कदम दूरी पर पेट्रोल पंप भी स्थाति था। यदि यह आग बिकराल रूप धारण करते हुये पेट्रोल पंप तक पहुंच गई होती तो फिर कल्पना की जा सकती है कि क्या हाल होता...? मगर सच्चाई के बाद भी शासन प्रशासन द्वारा नगर में अंदर संचालित होने वाले कबाड़ खानों को नजर अंदाज किया जा रहा है जिसके चलते सही मायने में देखा जावे तो गाडरवारा शहर बारूद के ढेर पर बैठा हुआ दिखाई देने से नही चूक रहा है? नगर के अंदर संचालित होने वाले कबाड़ खानों की सच्चाई इस तरह से देखने मिल रही है कि कबाड़ का माल खरीदने वालों द्वारा शहर की कालोनियों से लेकर मुहल्लों में किराये के मकान लेते हुये अपने कबाड़ खाने स्थापित किये गये है। इन कबाड़ खानों में किस तरह की सामग्री जमा होती है यह बात किसी से छिपी नही है? कुछ इसी प्रकार का हाल बीते हुये सोमवार को नगर के रेल्वे स्टेशन मार्ग पर उस समय देखने मिला जहां पर रहवासी क्षेत्र में कबाड़ के रूप में खड़े हुये एक भारी भरकम ट्रक में आग लग जाने के कारण हा हाकार का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया था। वही तो यह अच्छा हुआ की यह घटना दिन के समय घटित हुई और आग अपना विकराल रूप धारण नही कर पाई जिसके चलते एक बड़ी घटना घटित होने से बाल बाल बच गई। यदि ट्रक में यह आग जनी की घटना कही रात के समय हुई होती तो क्या हाल बनाता इस बात का अनुमान आसानी से लगाया जा सकता है। मगर हैरत की बात है कि इस तरह नगर के अंदर रहवासी क्षेत्रों मुहल्लों से लेकर कालोनियों में चल रहे इस तरह के कबाड़ खानों को लेकर प्रशासन द्वारा क्यों नही अंदाज किया जा रहा है। क्यों ऐसा तो नही कि जिम्मेदार ही नगर में किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहे है।

निजी शालाओं में सुविधाओं की कमी, शिक्षित बेरोजगारों का धड़ल्ले से हो रहा शोषण, फिर भी प्रशासन मौन

गाडरवारा। नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में शिक्षा के नाम पर लोगों द्वारा जिस प्रकार से दुकानदारी चलाई जा रही है उससे बच्चों का भविष्य बनना कम और स्कूल संचालको का निजी स्वार्थ ज्यादा ही नजर आ रहा है? क्योंकि शहर के साथ साथ ग्राम क्षेत्रों में दिन दिन ऊंग रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह स्कूल शिक्षा विभागों के नियमों के विरूद्ध स्थापित सुविधाहीन शालायें शिक्षा के नाम पर व्यवसाय करने में जुटी हुइं हैं? इस प्रकार के विद्यालयों में मूलभुत सुविधाओं अलावा विशेषज्ञ शिक्षकों एवं खेल मैदानों का अभाव एक विकट समस्या बना हुआ है। जिसका प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है, शहर में स्थापित निजी शालायें मात्र शिक्षा की दुकान बनकर रह गई हैं? ऐंसी दुकाननुमा शालाओं की शिक्षा हमारे होनहारों पर क्या असर छोड़ेगी इससे सभी अंजान नहीं हैं? शिक्षा की दुकान बनी निजी शालाओं को बढ़ावा देने में पालक भी कम दोषी नहीं हैं क्योंकि वे जानबूझकर निजी शालाओं के आकर्षण में पड़कर बच्चों का दाखिला करवा देते हैं और बाद में पछताते हैं। इस समय नगर के आलवा ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो ऐसी अनेक शिक्षण संस्थायें हैं जहाँ पर मात्र 10 वीं से 12 वीं पास युवक युवती अल्प वेतन मानदेय पर शिक्षक के रूप में सेवाये देकर बेरोजगारी के समय में शोषित हो रहे हैं, इन निजी शालाओं में ना तो छात्र-छात्राओं को पीने के लिये शुद्ध पेयजल, पेशाबघर, शौंचालय, खेल मैदान व बैठने के लिये हवादार कमरे भी नहीं हैं। नगर में ऐसी कई शालायें तो किराये के रहवासी मकानों में लग रहीं हैं इसके बाद भी शिक्षक संस्थाओं के संचालक पालकों से सभी व्यवस्थाओं के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। वही कुछ स्कूलों के संचालको बात करे तो वह गांव में इस प्रकार से अग्रेजी स्कूलों का संचालन कर रहे है, जिन्हे खुदे तो अग्रेजी आती नही है और वह बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों का संचालन करने बैठे हुए है? क्या इन स्कूलों में बच्चों द्वारा दी जाने वाली फिस के मुताबिक पढ़ाई हो पायेगी? पालकों को चाहिये कि वे शिक्षण सत्र शुरू होने के पूर्व अपनी जागरूकता का परिचय देते हुये पूर्ण नियम कानून से चलने वाली शालाओं में ही अपने बच्चों को प्रवेश दिलाये जिससे उनका भविष्य सँवर सके तथा शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि गाजर घास की तरह उग रही शिक्षण संस्थाओं की जाँच करे जो नियमों को दर किनार करके जेबें भरने में लगे हुइं हैं,विदित हो कि शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को खेलने के लिये निश्चत भूखंड का मैदान होना जरूरी है किंतु यहाँ जो देखने में आ रहा है उससे स्पष्ट रूप से लग रहा है कि शिक्षण संस्थाओं के नाम पर मात्र पैसा कमाया जा रहा है, किराये के मकानों में संचालित होने वाली अग्रेजी माध्याम की एक संस्था का तो यह है हाल है कि ग्रामीण क्षेत्रों से बच्चों वाहन सुविधा के नाम पर पैसा लिया जा रहा है, और उसी वाहन में खुलेआम दिन भर सवाली ढ़ोई जा रह है, उन्ही के साथ बच्चों को भी भेड़बकरी की तरह बैठाकर घर पहुंचा दिया जाता है,यदि इस प्रकार की संस्थाओं की ईमानदारी से जांच हो जावे तो फीस बसूली जाती है।

भारतीय मुद्रा में शामिल सिक्कों को लेने से इंकार कर रहे अनेक दुकानदार

गाडरवारा। लगभग तीन वर्ष पहले जिस प्रकार से नोट बंदी के बाद बाजार में चिल्लर की बाढ़ आने की शुरूआत हुई थी वह अब सिर दर्द बनाते हुए दिखाई देने लगी है। क्योंकि लोगों ने अपने घरों में चिल्लर तो सजोकर रख ली गई थी, मगर वह चिल्लर लोगों को मुशिबत साबित होते हुए दिखाई देने लगी है, जिसमें सबसे अधिक वह बच्चें परेशान हो रहे है जिन्होंने अपने परिजनों से एक एक रूपया एकत्र करते हुए गुल्लकों को भर लिया गया है और उनकी सोच रहती है कि जब अधिक पैसा एकत्र हो जावेगा तो वह समय आने पर यादगार वस्तु खरीद लेगे मगर मासूम बच्चों के अरमानों पर इस समय पानी फिरते हुए दिखाई देने लगा है। हालत यह है कि बाजार में चिल्लर की बाढ़ आने से दुकानदार चिल्लर को देखकर इस प्रकार से मुंह बनाते हुए दिखाई देते है जैसे कोई उन्हें कोई कड़बी बस्तु खिलाने का प्रयास कर रहा हो? बाजार में सिक्को की बाढ़ आने से व्यापारियों को इसलिए पेरशान होना पड़ा रहा है। क्योंकि उनकी दुकानों पर कड़क नोटो की जगह 1. 2 .5 के कम मगर 10 रूपया के सिक्कों का ढेर लग रहा है, इस स्थिति के चलते अनेक दुकानदारों द्वारा तो ग्राहको से चिल्लर लेने से साफ इंकार करते हुये देखा जा रहा है। इस स्थिति में आमजन के सामने जहां एक नई मुश्बित खड़े होते हुये दिखाई देने लगी है। जबकि यदि नियमों के अनुसार देखा जावे तो भारतीय मुद्रा में शामिल व चलन में रहने वाली किसी भी सिक्का या फिर नोट को दुकानदार या व्यापारी द्वारा लेने से इंकार करना जहां भारतीय मुद्रा का अपमान माना जाता है तथा वह कानूनी तौर पर अपराध की श्रेणी में भी माना जाता है। मगर इस ओर प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण नगर के अनेक दुकानदारों द्वारा इस प्रकार से ग्राहकों से चिल्लर लेने से खुलेआम इंकार करते हुये भारतीय मुद्रा का वहिष्कार करने की स्थिति में देखे जा रहे है?

क्षेत्र में लगातार हो रही अवैध रूप से पशुओं की तस्करी, प्रशासन मौन

कौड़िया।

इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि आस पास के कस्वा क्षेत्रों में लगने वाले साप्ताहिक मवेशी बाजारों के माध्यम से खुलेआम पशुओं की तस्करी होने की चर्चा आम होती जा रही है, जिसमें बताया जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले इस मवेशी बाजार में सैकड़ो की संख्या में पशु बिक्री के लिये आते जो कुछ ऐंसे भी पशु होते हैं जिसमें प्रमुख रूप से बैल जो कृषि योग्य नहीं होते व गायें जो दूध देना बंद कर देती हैं उन्हें कुछ दलालनुमा व्यक्ति ऐंसे पशुओं को दलाल कसाईयों को दोगुनी कीमत के माध्यम से पशु मालिकों से खरीदवा देते हैं और पशु मालिक भी थोड़े से पैसों के लालच में जिन्दगी भर घी दूध देने वाली गायों व गर्मी धूप व बरसात के मौसम में मेहनत कर कमाई खिलाने वाले बैलों को इन कसाईयों के हवाले कर देते हैं। जनचर्चाओं में तो यह तक बताया जाता है कि बाजार के दिन बाहर से आने वाले इन कसाईयों के कुछ दलाल गाँव गाँव घूमकर इस प्रकार के बूढ़े पशुओं की खोज करते हुये पशु मालिकों को उन्हें बेचने के लिये उकसाते हुये देखा जा सकता हैं और इन दलालों की बातों में आकर पशु मालिकों का भी लोभ लग जाता है और यह बाजारों में उन पशुओं को लाते हैं और दलालों के माध्यम से बाजार के बाहर ही पशुओं को बेच कर चले जाते हैं जिसका जीता जागता उदाहरण विगत वर्षो में सांईखेड़ा, चीचली व गाडरवारा थाने के अंतर्गत अवैद्य रूप से पशु ले जाने वालों को पकड़कर पुलिस ने सिद्ध कर दिया था। मगर वर्तमान समय में पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली के चलते इस प्रकार के पशु तस्कारों के हौसले बुलंद नजर आ रहे है? इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र में लगने वाले साप्ताहिक पशु बाजारों के दिन सड़कों व कूररूता पूर्वक पशुओं को भरकर ले जाने वाले गाड़यों की लम्बी लाईने देखने मिल रही है, इसके बाद भी किसी भी प्रकार की कार्यवाही न होना जहां चिंता का विषय बना हुआ है, वही दूसरी ओर शासन प्रशासन को इस प्रकार के दलालों के माध्यम से हो रही तस्करी पर रोक लगाई जानी चाहिये, आमजन द्वारा तो यह तक आरोप लगाया जाता है कि इस प्रकार के पशुओं की खरीदी कर ट्रकों के माध्यम से पुलिस की ही मिली भगत से बाहर ले जाया जाता है? यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने? मगर पशुओं की लगातार हो रही तस्करी से पुलिस की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए नजर आ रहा है।

ओवर लोडिंग वाहनों पर अंकुश नहीं लगने के कारण आये दिन घटित हो रही सड़क दुर्घटनाएं

सालीचौका। जिस प्रकार से क्षेत्र की सड़को पर अनेक वाहन लगातार ओवर लोडिंग सबारी भरकर दौड़ रहे है उसका ही परिणाम है कि आये दिन घटित होने वाली सड़क दुर्घटनाओं लोगों की जान खतरे में पड़ने नही चूक रहे है, मगर इसके बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने से ओवर लोडिंग करने वालों के हौसले लगतार बुलंद होते हुए देखे जा रहे है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुए कुछ समय पहले पुलिस मुख्यालय द्वारा दिये गये आदेश के चलते संपूर्ण प्रदेश में यातायात सप्ताह चलाते हुए इस प्रकार से मनमानी करने वाले वाहन चालकों पर अंकुश लगाने की कार्यवाही करने के आदेश दिये गये थें और इस आदेश का पालन करने में क्षेत्र की पुलिस द्वारा मात्र औपचारिकता निभाते हुए छोटे मोटे वाहनों के खिलाफ अपनी कार्यवाही का डंडा घूमते हुए पूर्ण कर दिया गया है जिसके चलते क्षेत्र की सड़कों पर आये दिन मौत का सायरन बजाते हुए ओवर लोड वाहन जहां तहां नजर आने से नही चूक रहे है? जिसकी सच्चाई क्षेत्र में चलने वाले आटों सहित मैजिक गाड़यों की देखी जा रही है जो अपने स्वार्थ के चलते इन वाहनों में जिस प्रकार से भेड बकरी की तरह सबारी बैठाकर उन वाहनों को सड़को पर जिस गति से दौड़ाते हुए देखे जाते है उसके चलते आये दिन घटना घटित होना आम बात होती चली जा रही है। इस प्रकार से ओवर लोडिंग वाहनों की सच्चाई को पुलिस प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि लोगों की जान खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है। इतना ही नही साप्ताहिक बाजार के दिन तो स्थिति इस प्रकार से देखी जाती है कि इन वाहन चालकों द्वारा सबारियों को वाहन के अंदर बैठाने के साथ साथ उसकी छत पर तक बैठाते हुए आम लोगों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलबाड़ करते हुए देखा जा रहा है, मगर इसके बाद भी पुलिस की चुप्पी अनेक संदेहों को जन्म देते हुए जान पड़ रही है।

नर्मदा जी का गिर रहा लगातार जल स्तर, बच्चे भी पैदल कर रहे नर्मदा को पार

सांईखेड़ा। इस क्षेत्र के लोग अपने आप को सौभाग्यशाली इसलिए समझते है कि उन्होंने माँ नर्मदा के आंचल में जन्म लिया है और माँ नर्मदा जी कृपा के चलते क्षेत्र के लोगों पर आज तक कोई बड़ी मुश्बित नही आई है। मगर इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से माँ नर्मदा का जल स्तर गिरते चला जा रहा है वह निश्चित क्षेत्र के लोगों को चिंता का विषय ही नही बल्कि आने वाली समय में किसी बडे संकट की ओर संकेत देने से कम नही है? नर्मदा जी के लगातार गिरते हुए जल स्तर की सच्चाई इस प्रकार से देखी जा रही है जिस जगह पर बारह मास अथाह जल रहा करता था उस स्थल से बच्चे पैदल ही माँ नर्मदा को पार करते हुए देखे जा रहे है। और लगातार गिर रहे माँ नर्मदा जी का जल स्तर को लेकर मात्र एक ही कारण है कि जिस प्रकार से माँ नर्मदा के आंचल से रेत करोबारियों द्वारा रेत निकालते हुए अपनी जेबे भरी जा रही है उसी का परिणाम है कि शायद अब माँ नर्मदा जी अपना आंचल समेटने लगी है। वही दूसरी ओर प्रशासन द्वारा भी लगातार माँ नर्मदा के अनेक प्रकार के सयंत्र स्थापित करते हुए जिस प्रकार से नर्मदा जल को शहरों के साथ साथ गांवों में पहुंचाकर उसकी आस्था के साथ खिलबाड़ करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है उसका परिणाम आने वाले समय में कुर्सियों पर बैठे हुए लोगों को भोगने के लिए तो मजबूर होना ही पड़ेगा। क्योंकि माँ नर्मदा भक्तों द्वारा जिस प्रकार से नर्मदा जी के गिरते हुए जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया है कि आये दिन बड़े बडे नेताओं द्वारा माँ नर्मदा की परिक्रमा से लेकर पूजन करने में तो कोई कसर नही छोड़ी जाती है। मगर उनके द्वासरा आज तक माँ नर्मदा में हो रहे रेत खनन सहित माँ नर्मदा के जल का दोहन करने पर रोक लगाने के लिए आज तक कोई आवाज नही उठाई गई है जिससे उनके द्वारा माँ नर्मदा के प्रति जताई जाने वाली श्रद्धा मात्र एक दिखावा साबित होने के आलवा और कुछ साबित नही हो पा रही है? क्योंकि दुनिया की एक मात्र नर्मदा ऐसी नदी है जिसकी लोगों द्वारा श्रद्धा के साथ परिक्रमा की जाती है तथा माँ नर्मदा के जल को लोग शीशी में भरकर उसे अपने पूजा घरों में स्थापित करते हुए पूजन किया जाता है और प्रशासन द्वारा उसी जल को शहरों के साथ साथ गांवों पहुंचकर जिस प्रकार से माँ नर्मदा जल की पवित्रता के साथ खिलबाड़ करने का जो प्रयास किया जा रहा है।

खबर संक्षेप

तकनीकी प्रयोग एवं साइबर जागरूकता पर एक दिवसीय वेबिनार सम्पन्न

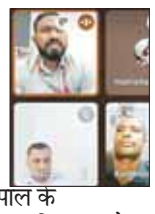

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में उच्चशिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन भोपाल के निर्देशानुसार एवं महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह के मार्गदर्शन में 27 मई को दोपहर 12 बजे से तकनीकी प्रयोग एवं साइबर जागरूकता विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में भुराज साहू चीफ इंजीनियर ओएनजीसी गुजरात एवं डॉ. संतोष कुमार प्रजापति सीनियर रिसर्च साइंटिस्ट कर्नाटक और अपने प्रदेश और प्रदेश के बाहर के विभिन्न महाविद्यालय के अतिथि और प्रतिभागी, रिसर्च स्कॉलर के रूप में मुंबई, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ से प्रतिभागी अपनी सहभागिता कर तकनीकी विषय पर जानकारी साझा की गई। वेबिनार के संयोजक डॉ. स्वर्णिम पटेल, डॉ. दीपक कुमार सिंगरौल, डॉ. सुनील काकोडिया, समन्यवक डॉ. सीमा सस्त्या, देवप्रकाश उइके, रूपेंद्र वरकड़े, आयोजन समिति डॉ. पवन कुमार वर्मा, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, डॉ. प्रियंका दहिया तकनीकी सहायक समीर धुर्वे सहित महाविद्यालय के समस्त स्टाफ की सक्रिय सहभागिता रही। आयोजित एकदिवसीय वेबिनार में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपना रजिस्ट्रेशन किया, वेबिनार कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य संदीप सिंह के उद्बोधन के साथ किया गया। जिसमें सफल कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपक कुमार सिंगरौल और डॉ. प्रियंका दहिया के द्वारा आभार प्रदर्शन कर वेबिनार कार्यक्रम का समापन किया गया।

एनजीओ ने मृतिका के परिवार को दी 5100 रू की सहायता राशि

राजनगर। जिले के कोयलांचल क्षेत्र के राजनगर में अनुदान समाज कल्याण समिति (एनजीओ) द्वारा वार्ड नं 10 सुभाष नगर की निवासी श्रीमती रामबाई यादव के पुत्र स्व हेमलाल की पुत्री का पीलिया की बीमारी की वजह से 16 वर्ष की अल्प आयु में निधन हो गया है। आर्थिक स्थिति खराब होने से दाह संस्कार करने में समस्या हो रही है। इस संदेश को संज्ञान में लेते हुए अनुदान समाज कल्याण समिति के सदस्यों द्वारा मृतका के घर जाकर रामबाई को 5100 रुपए की राशि सहायता के रूप में दी गई। जिसमें समिति के सदस्य श्रीमती रूपा जेपी श्रीवास्तव, देवाशीष सिन्हा, जगदीश पटेल, सुरेंद्र शर्मा, मनोज सिंह, समर बहादुर सिंह, अमित सेनगुप्ता, पंकज शर्मा, सुमिता शर्मा, आकाश के द्वारा 5100 की राशि रामबाई को उनकी पुत्री के अंतिम कार्यक्रम के लिए दी गई।

मतगणना स्थल में रहेगी त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

अनूपपुर। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की मतगणना 4 जून को शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में प्रातः 08:00 बजे से प्रारंभ की जाएगी। जिस हेतु मतगणना में लगाये गये शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों, अभ्यर्थियों एवं उनके अभिकर्ता का प्रवेश प्रातः 06:00 बजे से प्रारंभ हो जायेगा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार गणना प्रांगणों में अनाधिकृत व्यक्तियों के अंदर प्रवेश को रोकने के लिये त्रिस्तरीय घेरा बंदी स्थापित किये जाने के निर्देश हैं। जिसके तहत प्रथम सुरक्षा घेरा 100 मीटर की परिधि के आस-पास होगा, जो पैदल मार्ग के रूप में निर्धारित किया जायेगा। इस परिधि के अंदर किसी भी वाहन को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी। ईसीआई द्वारा जारी प्रमाण पत्रित अधिकार पत्र के बिना या संबंधित डीईओ/आरओ/एआरओ द्वारा जारी फोटो आईडी कार्ड के बिना किसी भी व्यक्ति को प्राथमिक सुरक्षा घेरा के अंदर प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जायेगी। द्वितीय स्तर एवं मध्य घेरा मतगणना परिसर के गेट पर रहेगा यह मानव युक्त होगा। यहां पर राज्य सशस्त्र पुलिस द्वारा व्यक्तियों के प्रवेश की अनुमति के पूर्व यह सुनिश्चित की जाएगी कि कोई भी निषिद्ध व्यक्ति प्रवेश न करे। यहां पर राज्य पुलिस कर्मियों द्वारा घेरा बंदी कर उचित तलाशी ली जाएगी, ताकि कोई भी व्यक्ति माचिस, हथियार और अन्य ज्वलनशील वस्तुएं अंदर न ले जा सके।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित

कलेक्टर विकास मिश्रा ने डिंडोरी स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि लोगों में कार्यक्रम के प्रति उत्साह देखा गया, उन्होंने कहा कि बाल आशीर्वाद में आये बच्चों जिम्मेदारी पूरी करना हमारी प्राथमिकता में होना चाहिए, जिसके लिए बच्चों का निरंतर फॉलोअप लेना जरुरी है।

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

इसी प्रकार चाड़ा में आयोजिए स्वास्थ्य कैंप में आये रोगियों का फॉलोअप करने से स्वास्थ्य स्तर में सुधार हो सकेगा।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने जलस्त्रोतों का संरक्षण करने के लिए अभी से प्रयास करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया, उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम एक नदी एवं 4 तालाबों को संरक्षित करें। जिले में चलाया जा रहा रेवा अभियान का विस्तार कर उसमें जीर्णोद्धार गतिविधियों को भी शामिल किया जाये,जिससे जल संरक्षण के लिए भी लोगों को जागरूक किया जा सके।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभागवार कार्यों की समीक्षा ली, कृषि विभाग से आगामी खरीफ सीजन की तैयारी की जानकारी ली, जिसमें बताया गया कि स्वाइल सैम्पलिंग, डैम की लिस्टिंग,एफपीओ का सुदृढीकरण,खाद एवं उर्वरक आपूर्ति का कार्य निरंतर किया जा रहा है

कलेक्टर ने आगामी वर्षा ऋतु के दौरान होने वाले मुद्दों के सम्बन्ध में सभी विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग पावर लोडिंग को कार्यालय में चेक करें,शार्टसर्किट, वायरिंग, स्टोररूम को चेक कर लें, सेफ्टी मेसर्स अपनाएं रिकार्ड रूम की वायर लाइन को चैक करें। वर्षा ऋतु में विद्युत आपूर्ति में इस प्रकार की बाधाओं की सम्भावना रहती है जिन्हें समय से पूर्व ही सावधानी से दूर किया जा सकता है। कलेक्टर ने सीएमओ से फायर ब्रिगेड की स्थिति का आकलन किया, जिसमें सीएमओ द्वारा बताया गया की फायर बिग्रेड अच्छी अवस्था में है।

कलेक्टर ने पीएचई विभाग को जल स्त्रोत साइट का चयन, विकासशील कार्य, के लिए आवश्यक निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां पानी पीने योग्य नहीं वहां प्राथमिकता से पेयजल उपलब्ध कराएं, उन्होंने पेयजल परिवहन स्थिति का जायजा लिया जिसमें बताया गया कि सुनपुरी में पेयजल परिवहन किया जा रहा था जो वर्तमान में पेयजल आपूर्ति के बाद बंद कर दिया गया है, कलेक्टर ने पीएचई विभाग कों निर्देशित किया कि वे 10 जून तक किसी को भी अवकाश की स्वीकृत न दें। जिससे पेयजल आपूर्ति में कोई बाधा ना आये।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन आवास की जानकारी ली, जिसमें बजाग, करंजिया, समनापुर में निर्माण कार्य सबसे पीछे चल रहा है, कलेक्टर ने कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व विभाग को रिकार्ड, नक्शा, खसरा के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।राजस्व अभियान में सीमांकन का कार्य अच्छा करने वाले तहसीलदार कों प्रशंसा पत्र और खराब कार्य करने वाले तहसीलदार कों निंदा पत्र देने के लिए निर्देश दिए हैं, साथ ही अतिक्रमण के लिए उचित कार्य करने कों निर्देशित किया।

कलेक्टर ने बताया कि 16 जगहों पर वन विभाग पौधारोपण कर रहे हैं। इसी प्रकार 5 स्थल जनपद पर चिन्हित करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने सीएमहेल्पलाइन का आकलन किया जिसमें 79.6 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है,जनपद व राजस्व के मामले सर्वाधिक है,उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति करें। कलेक्टर ने कहा कि लोकल कोर्ट में लगे केस पर तैयारी कर लें,अपना पक्ष लोकल कोर्ट से ही मजबूत से रखें।

इसके अलावा कलेक्टर ने अन्य विभागों की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री विमलेश सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम बजाग आर पी तिवारी, एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सभा कक्ष में बाढ़ प्रबंधन के लिए बैठक हुई आयोजित

कलेक्टर विकास मिश्रा ने बैठक में बाढ़ प्रबंधन के लिए आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि मानसून के दौरान पर नदियों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, इसलिए ऐसी सभी नदियाँ जहाँ अपवाह क्षेत्र में बसाहट ज्यादा है, और बाढ़ आने की सम्भवना है,वहां बाढ़ पूर्व नियंत्रण की रणनीति बना लें, शहरों में वाटरलॉगिंग की समस्या से भी बाढ़ आती है इसलिए पूर्व में ही सभी नालों की सफाई अच्छे से कर लें। उन्होंने कहा कि ऐसे पुल जहाँ बारिश का पानी पुल कों पार कर जाता है वहां पुलों कों चिन्हित कर पूर्व तैयारी कर लें। कलेक्टर ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निर्माण कर लिया जाये और बाढ़ उन्मुख नदियों के लिए विशेष योजना का निर्माण करें, कण्ट्रोल रूम का प्रभारी डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक को बनाया जाएगा। इसी प्रकार बाढ़ के कारण प्रभावित होने वाले अन्य विभागों कों आवश्यक निर्देश दिए। उक्त बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री विमलेश सिंह, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम बजाग आर पी तिवारी, एसडीएम रामबाबू देवांगन, डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संस्कार समर कैम्प में जुम्बा, एरेबिक्स, ढोलक वादन प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में संस्कार समर कैम्प नवीन हायर सेकेंडरी स्कूल शहपुरा में संचालित है। जिसमें रविवार को जुम्बा, एरेबिक्स प्रशिक्षण हेतु अनुभवी जुम्बा स्पेशलिस्ट रंजीत साहू ने स्वयं प्रशिक्षण दिया गया। उल्लेखनीय है कि संस्कार समर कैम्प के अतिरिक्त विद्यार्थी भी स्वास्थ्य वर्धन की संगीतमय विधा में भाग लिए और स्वस्थ्य शरीर एवं स्वस्थ मन के लिए एंजॉय के साथ जुम्बा और एरोबिक्स एक्सरसाइज की उत्साहित बच्चों ने डांस भी किया। स्वस्थ मनोरन्जन के साथ नियमित अभ्यास का संकल्प लिया। साथ ही संगीत क्षेत्र महिला बाल विकास सुपरवाईजर प्रतिभा साहू ने बच्चो को ढोलक वादन के गुर सिखाये संस्कार समर कैम्प संचालन समिति के सदस्य शैलेश गौर नायब तहसीलदार, बीईओ पीडी पटेल, गुरु प्रसाद साहू बीआरसीसी, कमलेश विजेवार सीएमओ,आर एस गुरुदेव सेवानिवृत्त एनसीसी ऑफिसर ने बच्चों एवं मेन्टर्स का उत्साह बढ़ाया। व्यवस्था में लाजवंती जीवनानी, अश्विनी साहू, प्रतिभा साहू, पार्वती साहू, सरिता, अनीता साहू, ज्ञान मिश्रा, एलपी झारिया, उमेश वर्मा, रवि परते सुरेश कछवाहा, धर्म वरकड़े उपस्थित रहे।

सतर्कता हेतु एसपी ने जारी की एडवाइजरी

फर्जी कॉल्स से रहें सावधान, प्रलोभन वाले कॉल और संदेश की पुलिस को दें सूचना

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

प्रदेश के सीधी जिले में वॉइस चेंजर एप्लीकेशन के जरिये हुई वारदात के मद्देनजर जिला पुलिस बल ने सतर्कता बरतने एक एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहिनी सिंह ने जनता को जागरूक रहने की अपील करते हुऐ कहा है कि अनजान आवाज और अनजान नंबर से आने वाले फोन कॉल्स पर विश्वास नही करें। बार बार आ रही इन कॉल को नजरअंदाज करें और साथ ही किसी के बहकावे में आने से बचें। किसी भी प्रकार का संदेह होने पर परिजनों और मित्रों से बात करें। कुछ गलत लगने पर कॉल का वेरिफिकेशन करें और साइबर पुलिस की मदद जरुर लें।

एसपी वाहिनी सिंह ने एडवाइजरी में कहा है कि किसी भी

व्यक्ति की मूल आवाज को बदलने की सुविधा से लैस ऐसे कई एप्लिकेशन प्ले स्टोर और ऐप्पल स्टोर पर उपलब्ध हैं। उन्होंने 26 मई को सीधी में एप्लिकेशन के जरिए अपनी आवाज बदलकर वारदात को अंजाम देने के मामले से सतर्कता बरतने के संबंध में सलाह जारी की है।

एडवाइजरी में आगे कहा गया है कि आपराधिक प्रवृत्ति के कुछ लोग अपनी मूल आवाज बदलकर महिलाओं और बच्चों की आवाज में बात करते हैं और लोगों को निशाना बना रहे हैं। इसमें कहा गया है कि कुछ मामलों में लक्षित व्यक्तियों से पैसे की भी मांग की जाती है। इनसे बचने की सलाह देते हुये पुलिस अधीक्षक ने बतलाया है कि राज्य साइबर सेल ने कई सावधानियां को सूचीबद्ध करके इनका प्रचार किया है। लोगों को धोखाधड़ी से बचने के लिए इन सावधानियों का पालन करना चाहिए।

इन सावधानियों में अज्ञात नंबरों से प्राप्त कॉलों पर विश्वास नहीं करना भी शामिल है, जो सरकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने का दावा और झांसा देते हैं। इसके अलावा, अगर कॉल करने वाला किसी सुनसान जगह पर आने के लिए कहे तो वहां जाने से बचें या किसी को साथ ले जाएं। इसने आगे सलाह दी गई है कि यदि ऐसी कॉल आती हैं, तो इसे परिवार के सदस्यों और दोस्तों के संज्ञान में लाया जाना चाहिए। इसमें सुझाव दिया गया है कि यदि कोई परिचित आपको किसी अज्ञात नंबर से कॉल करता है, तो उसकी पहचान पुख्ता करने के लिए पहले उसके वास्तविक नंबर पर कॉल करना चाहिये। एडवाइजरी के माध्यम से सूचित किया गया है कि आवाज बदलने वाली एप्लिकेशन के उपयोग से आवाज बहुत सुरीली और मधुर आती है।ऐसी स्थिति में विशेष सतर्कता का पालन करना उचित होगा।

इनका कहना है

'सायबर अपराधों पर लगाम कसने पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।इसी तारतम्य में जनता को जागरूक और सावधान किया जा रहा है।'

- श्रीमती वाहिनी सिंह
पुलिस अधीक्षक डिंडोरी

वन मेला अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से आज आनंदम दीदी कैफे में विशाल वैद्य सम्मेलन, वन मेला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन डिंडौरी में किया गया। जिसका उद्देश्य बैगा क्षेत्र में आयुर्वेदिक औषधियों के संरक्षक व संवाहक वैद्यों की आयुष विशेषज्ञों के साथ कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मेगा शिविर में 14 आयुष विभाग के 14 डॉक्टर सहित सुपरवाइजर, कम्पाउंडर, हेल्पर कुल 54 कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा। साथ ही साथ बैगा क्षेत्र के बैगा वैद्य 60 डॉक्टर ने अपनी हुनर से लोगों को विभिन्न जडी बूटियां देकर कई बीमारियों का इलाज करना बताया। इन्हीं लोगों को आयुष विभाग के द्वारा एक-एक छाता और प्रमाण पत्र से सम्मानित कर विदा किया गया।

विशाल वैद्य सम्मेलन, वन मेला स्वास्थ्य शिविर के मुख्य अतिथि डॉ. सुशील उपाध्याय एसईएआईआई, संभागीय अधिकारी आयुष डॉ. बिन्दु धुर्वे, डॉ. विजय चैरसिया, सीईओ जिला पंचायत सुश्री विमलेश सिंह, डॉ. संतोष परस्ते जिला आयुष अधिकारी, अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, डॉ. समीक्षा, डॉ. गायत्री, डॉ. राजीव साहू, डॉ. शुभम देवी परस्ते, डॉ. रतन सिंह धुर्वे, डॉ. अनुपमा स्त्री रोग विशेषज्ञों के द्वारा 55 महिला मरीजों को देखा गया जिन्होने स्त्री रोग से संबंधित आयुर्वेदिक से ठीक करने के उपाय और दवाईयां उपलब्ध कराए। डॉ. विजय सोर इन्होंने कपिंग थैरेपी के माध्यम से 40 मरीजों को अपने थैरेपी के माध्यम से तुरंत स्वस्थ किया और उन्हें अपनी दवाई खाने के साथ साथ व्यायाम करने के सलाह दिए। डॉ. खुशबू गुलवानी के द्वारा अग्निकर्म थैरेपी के माध्यम से महिला पुरूष कुल 35 मरीजों को देखा और उन्हें स्वस्थ्य किया और दवाई देकर नियमित सेवन करने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन के द्वारा इस प्रकार के स्वास्थ्य आयुष कैंप लगाने से जिले के ग्रामीण अंचलों में निवासरत महिला पुरूष एवं आम लोगों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में भरपूर लाभ मिल रहा हैं। जिलें में जो परंपरागत रूप से वैद्य का कार्य जडी बूटियों के माध्यम से कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस विशाल वैद्यशाला कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया है। जिसमें कुत्ता काटना, कैंसर, सांप काटना, बिच्छू काटना, बवासीर, मिर्गी, गठियावात, बाल झड़ना, लकवा, आंख से संबंधित रोग आदि बीमारियों के इलाज ठीक करने का प्रयास किया गया।

कलेक्टर विकास मिश्रा ने आयुष विभाग का विशाल वैद्य सम्मेलन में शामिल बैगा वैद्य एवं ग्रामीण शहरी क्षेत्र से आए परंपरागत वैद्यों को संबोधित करते हुए आप लोग ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर से बेहतर लाभ देने का प्रयास करें। जिससे जिले में आकस्मिक घटनाओं को रोकने मदद मिलेगी और ग्रामीण अंचलों में निवासरत महिला पुरूषों को विशेष लाभ होगा। कलेक्टर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी करने का प्रयास करेंगे जिसमें आप सभी आमंत्रित हैं।

शिक्षा परिसर में मतगणना के लिए माइक्रोऑब्जर्वर के प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए 4 जून को मतगणना का आयोजन किया जायगा, जिसके लिए माइक्रोऑब्जर्वर के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, प्रशिक्षण के दौरान मतगणना से सम्बंधित आवश्यक पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर विकास मिश्रा ने माइक्रोऑब्जर्वरों को सम्बोधित करते हुए कहा माइक्रोऑब्जर्वर मतगणना के दिन प्रातः 5 बजे पहुंच जाये,सुबह 7 सात बजे से गणना एजेंट की प्रवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा की मतगणना स्थल पर किसी को भी मोबाइल लें जाने की अनुमति नहीं है, मतगणना स्थल पर पेयजल,दवा की व्यवस्था उचित रूप से की गयी है। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर मिश्रा ने बताया कि इस बार दोनों विधानसभा के लिए 24-24 टेबलों पर गणना की जानी है, सभी माइक्रोऑब्जर्वरों को मतगणना की गति का ध्यान रखना होगा, जिससे मतगणना आसानी से पूरी हो जाये, उन्होंने निर्देशित किया कि टेबल पर चिपके इंस्ट्रक्शन को उचित रूप से देखें, और अपने स्थान कों पहले से ही पहचान लें, उन्होंने कहा कि गर्मी का विशेष ध्यान रखना है।

जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि पोलिंग एजेंट पर आवश्यक नजर रखें, जहां जरूरत हो हस्ताक्षर अवश्य लें। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में सम्मिलित सभी कर्मी अपना मुख्यालय मतगणना तक न छोंड और शांत मन से कार्य को पुरा करें जिससे डॉटा का सही मिलान किया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान एआरओ डिंडोरी रामबाबू देवांगन और मास्टर ट्रेनर जगत राम झारिया ने प्रशिक्षण के अन्य पहलुओं को समझाया।

खपरैल मकान में लगी आग अनाज, नगदी और गृहस्थी का सामान जला

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। समनापुर तहसील अंतर्गत ग्राम देवलपुर में सोमवार की दोपहर तीन खपरैल मकानों में अचानक आग लग गई। जिसकी चपेट में आने से अनाज, नगदी, कपड़े और गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो गया है। आग लगने का कारण अज्ञात बतलाया गया है। प्रशासन ने मुआबजा कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार की दोपहर बलदाऊ ठाकुर पिता पप्पू के घर की छानी में अचनाक आग गई और आग के बढ़ते दायरे ने कार्तिकराम ठाकुर, अमरसिंह ठाकुर, उमाकांत ठाकुर के घरों के छप्पर को भी अपनी चपेट में लिया। बतलाया गया है कि पीड़ित चारों भाई का घर आजू बाजू है। जिसके कारण एक घर की आग अन्य घरों तक फैल गई। रोजगार सहायक की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल वाहन ने किसी तरह आग पर काबू पाया है। आग से हुये नुकसान के हर्जाने हेतु पुलिस और तहसीलदार ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, मंगलवार 28 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

भूमि पर कब्जा, दी मारने की धमकी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर । तहसील क्षेत्र गाडरवारा अंतर्गत कृषि भूमि पर कब्जा कर किसानों को मारने की धमकी दी गई । किसान द्वारा बताया गया कि ग्राम डुंगरिया मे पैतृक भूमि खसरा नंबर 92/2 रकवा 0.967 हे. उसके निजी स्वामित्व की भूमि है जिस पर वह पूर्वजों से खेती करता चला आ रहा था उक्त भूमि पर ग्राम के ही रवि पचौरी द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया। जिसकी शिकायत तहसीलदार गाडरवारा के पास की गई जिस पर तहसीलदार के न्यायालय द्वारा भूमि पर कब्जा हटाने का आदेश दिया गया। दबंग द्वारा न्यायालय के फैसले के बाद पीड़ति किसान पंकज उपाध्याय को धमकी दी जा रही है। पीड़ति द्वारा बताया गया दबंग द्वारा किसान को खेत जाने से भी रोका जा रहा है जिससे उसके कृषि कार्य पर भी बुरा असर पड़ रहा है । प्रशासन को चाहिये की अतिशीघ्र कार्रवाई किसान की समस्या का निजात दिलाया जावे ।

पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद की मांग सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सागर जिले के सुरखी थाने अंतर्गत नाबालिग बिटिया के साथ 20 अप्रैल को हुई घृणित घटना को लेकर नरसिंहपुर के निषाद वंशीय माझी आदिवासी समाज ने आरोपियों के घर तोड़ने व पीड़ति परिवार को आर्थिक मदद दिये जाने की मांग को लेकर गत 27 मई 2024 को कलेक्ट्रेट कार्यालय में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम डिप्टी कलेक्टर मनोज चैरसिया को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में सोहन रैकवार, अमर नोरिया, योगेश नोरिया, हेमराज केवट, सुमित कश्यप, लखन नोरिया, अमर सिंह नोरिया (राजीव वार्ड), संजय नोरिया व करण नोरिया सहित अन्य सामाजिक बन्धु उपस्थित रहे ।

मतगणना संबंधी प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत मंडला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की एक विधानसभा 118- गोटेगांव और होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की तीन विधानसभा क्षेत्र 119 नरसिंहपुर, 120 तेंदूखेड़ा व 121 गाडरवारा के लिए मतगणना 4 जून को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में सम्पन्न होगी। इस दौरान मतगणना पर्यवेक्षकों, सहायकों और माइक्रो ऑब्जर्वर्स को प्रशिक्षण शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर में दो पालियों में दिया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले प्रशिक्षण में पहुंची। कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि निर्वाचन में मतगणना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। यह जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही संवेदनशील भी है। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना से जुड़े सभी पहलुओं को अच्छी तरह से समझ लें तथा जहां कहीं भी कोई शंका या भ्रम हो, उस पर चर्चा करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि मतगणना का कार्य पूर्णतः त्रुटि रहित हो। मतगणना संबंधी प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स सीएस राजहंस, प्रो. मनीष अग्रवाल, उमेश दुबे, डॉ राजेश ठाकुर, मुकेश दुबे, युजवेंद्र सिलावट व बृजेश नेमा ने दिया।

8 दिन के शिशु की मौत, परिजनों ने लगाए आरोप

प्रशासन की लापरवाही के कारण एक माह में हुई तीन मौत

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर । सरकार द्वारा लाखो रूपये स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर खर्च कर लोगो को बोहतर स्वास्थ्य सुविधायें मुहैया कराने के लिये आमदा है लेकिन प्रशासन के गैर जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारियों की लापरवाही के कारण लोगो को बेहतर सुविधाएं नही हमल पाती है । ऐसा ही मामला गोटेगांव स्वास्थ्य केन्द्र का सामने आया जिसमे 8 दिन के बच्चे की मौत हो गई और परिजनों द्वारा डॉक्टर पर आरोप लागया गया । परिजनों को आरोप है कि डॉक्टर द्वारा गलत दवाई दी गई जिससे बच्चे की मौत हो गई । वही यह भी बताया जा रहा है कि जिम्मेदार डॉक्टरों द्वारा उपचार मे भी लापरवाही बरती जाती है ।

सुर्खियों मे बना अस्पताल

स्वास्थ्य केन्द्र गोटेगांव इन दिना को चर्चा का विषय

बना हुआ है । गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लगातार लापरवाही की घटना सामने आ रही है उसके बाद भी सरकारी अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारी बाज नहीं आ रहे हैं। जबकि कुछ दिन पहले एक लापरवाही का मामला और सामने आया था जिसमे जच्चा और बच्चा की मौत हो गई थी जो की मीडिया में भी काफी सुर्खियों में रहा था। लेकिन जिला प्रशासन की मेहरबानी एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के कारण यह मामले में लीपापोती कर औपचारिक कार्यवाही कर दी गई और मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

अस्पताल में 8 दिन के बच्चे की हुई मौत

जिम्मेदार प्रशासन कुंभकर्णी नींद में सो रहा है और घटना होने के बाद भी बाज नहीं आ रहा हैं। जिसका असर ये हुआ कि आज फिर एक 8 दिन के बच्चे की मौत हो गई और परिवार का रो रोकर बुरा हाल है। मामले की बात की जाए तो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 8 दिन के शिशु की तबियत खराब होने पर श्रीनगर निवासी माता पिता उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए थे वही उसे

अस्पताल में दो इंजेक्शन लगाने की बात भी परिजनों के द्वारा बताई गई।

परिजनों ने लगाए डॉक्टर पर आरोप

वही परिजनों ने ड्यूटी डॉक्टर पर गलत उपचार देने से मौत का आरोप लगाया हैं। और पूरे मामले को देखा जाए तो एक बच्चे की मौत ने पूरे स्वास्थ्य विभाग पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कि आखिर जिम्मेदार स्वास्थ्य जैसे व्यवस्था के प्रति इतने लापरवाह कैसे हो सकते हैं। और जान से खेल रहे हैं। बहरहाल अब देखना होगा कि ऐसे लापरवाहों पर जिम्मेदार अधिकारी क्या कार्यवाही करते हैं। जबकि यहां पर पदस्थ डीएमओ डॉक्टर एस एस धुर्वे के खिलाफ पहले भी कई बार भ्रष्टाचार गबन एवं प्रताड़ित करने के साथ-साथ कई संगीन आरोप लग चुके हैं लेकिन अब तक कोई कार्यवाही जिला प्रशासन द्वारा नहीं की गई है यहां तक की स्टाफ ही द्वारा पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल को ज्ञापन सौंपने के साथ-साथ बीएमओ बदले जाने की मांग तक कर डाली लेकिन जनप्रतिनिधियों द्वारा भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है ।

भाजपा जनों ने मनाई स्व. सरताज सिंह की जन्मजयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । सोमवार को भाजपा कार्यालय मे नर्मदापुरम लोकसभा के अजेय योद्धा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. सरताज सिंह की जन्म जयंती मनाई गई कार्यकर्ताओं द्वारा उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर लोकसभा क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों व उनके व्यक्तित्व व .तित्व का स्मरण किया गया इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल पूर्व जिला अध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा पूर्व मंडल अध्यक्ष मनमोहन सलूजा राजीव ओसवाल नगर उपाध्यक्ष बृजेंद्र दुबे रोशन सिंह राजपूत पूर्व पार्षद समीर महाराज मूलचंद यादव सुनील प्रजापति शारदा साहू बबीता जाट सरवरी सिद्दी की आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

मुझे मेरी मम्मी से मिला दो, 2 माह से लापता हैं मां-बेटी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । अपनी मां के बिना बीते दो माह से अपनी नानी के साथ कोर्ट कचहरी और सरकारी कार्यालय के चक्कर काट रही एक अबोध बालिका के मन में अपने मां के इस तरह अचानक चले जाने का दर्द अपने आप में किसी भी मनुष्य को द्रवित कर सकता है । दरअसल नरसिंहपुर के बरगी फाटक निवासी एक बालिका अपनी नानी के साथ गत दो माह से उसकी मां जो उसकी 4 वर्षीय छोटी बहन को साथ लेकर कहीं चली गई है उसके इस तरह अचानक जाने को लेकर बेहद चिंतित और गमगीन है । पुलिस अधीक्षक कार्यालय नरसिंहपुर से लौट रही इस बिटिया ने पत्रकारों से अपनी रुआंसी और भरे गले की आवाज में सिर्फ इतना ही कहा कि मां तुम जहां भी हो हमारे पास आ जाओ, हमें हमारी मां से मिलवा दो यह मार्मिक पुकार एक बेटी की थी दरअसल नरसिंहपुर बरगी फाटक निवासी रानी विश्वकर्मा विगत दो माह पूर्व अपनी बेटी प्रीति विश्वकर्मा उम्र 27 वर्ष की गुमशुदगी को लेकर हैरान परेशान है पीड़ति रानी विश्वकर्मा की दो पुत्रियां हैं और पहले पुत्री प्रीति विश्वकर्मा की दो बेटियां हैं जिनकी उम्र करीब 9 वर्ष है दूसरी पुत्री की उम्र 4 वर्ष है । अपनी

बेटी प्रीति को उसके ससुराल पक्ष द्वारा परेशान किए जाने से वह अपनी मां के पास ही बरगी फाटक के पास में रहती थी, बेटी प्रीति दिनांक 14 मार्च 2024 को अपनी सुसराल पक्ष की शिकायत करने की बात कहते हुए 11 बजे दिन को अपनी छोटी बेटी को लेकर कहीं चली गई है वह अपने साथ जाते वक्त वह बैंक की पासबुक ,आधार कार्ड, पहचान परिचय पत्र एवं अन्य सामान भी लेकर गई है और इस दौरान वह अपने आप को कचहरी जाने की बात कह रही थी और इस संबंध में वह पति के द्वारा प्रताड़ति किए जाने की शिकायत करनी की बात कह कर घर से निकली थी जो आज दिनांक तक अपने घर तक नहीं पहुंची है । बेटी के द्वारा अपनी मां और उसकी नानी के द्वारा अपनी बेटी को गुमशुदी को लेकर लगातार उसकी ढूंढे जाने के प्रयास किया जा रहे हैं पुलिस द्वारा इस संबंध में उचित कार्रवाई न किये जाने का लेकर भी मां और उसकी बेटी ने गंभीर आरोप लगाये हैं । इस मामले में पुलिस को मानवीय संवेदनाओं का ध्यान रखते हुए उचित कार्रवाई करते हुए एक बेटी की मां आखिर किस हाल में है और कहां है इस पर संज्ञान लेते हुए शीघ्र उसकी खोजबीन करना चाहिये ।

खेत में नर कंकाल मिलने से सनसनी

पुलिस जांच में जुटी

तेंदूखेड़ा- सुआतला थाना अंतर्गत रोंसरा के समीप नरबद पटेल के गन्ने के खेत में एक नर कंकाल मिलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। पुलिस ने तत्काल इसकी सूचना अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी मौके पर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी मधुर पटैरिया के साथ मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कंकाल को हिरासत में लेते हुए पंचनामा कार्यवाही करते हुए मामले की विवेचना शुरू कर दी हैं जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा की आखिर कंकाल महिला का हैं या पुरुष का बहरहाल कंकाल की स्थिति को देखते हुए पुलिस इस कंकाल को कपड़ों के आधार पर पुरुष का बता रही हैं तथा स्थिति को देखते हुए 8 से 10दिन पुराना बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्रीय थानों मे गुम इंसानों की जानकारी के आधार पर इसकी जानकारी ली जा रही है।

इतनी जल्दी क्या थी

बिना साक्ष्य जुटाए ही आरोपियों को भेज दिया जेल

तेंदूखेड़ा- शनिवार की शाम को सुआतला थाने के अंतर्गत एक बोलेरो गाड़ी नंबर एम पी 49 सी 3363 में बरमान वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले नैनवारा क्षेत्र से किसी वन्य प्राणी का शिकार करके लौट रहे विल्धा निवासी आरोपी प्रदीप राय पिता टाबल सिंह राय 37साल एवं राजाराम उर्फ रज्जू पिता छोटे लाल पटेल उम्र 47 साल को एक नाल बंदूक 10छर्रे सहित अपराध क्रमांक 183/2024 धारा 51 वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 25/27 आम्र्स एक्ट के तहत पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।इस कार्यवाही के बाद से क्षेत्र में तरह तरह की जनचर्चायें बनी हुई है जिसे तरह-तरह के सवाल किए जा रहे हैं। एक विषय तो वन्य जीवों की सुरक्षा को लेकर बना हुआ है जिसमें जहां से यह मांस लेकर आना बताया जा रहा है वह जंगल क्षेत्र नहीं है वल्कि एक बड़ा राजस्व क्षेत्र है। जिसमें विभिन्न प्रकार के वन्य प्राणी सदा विहार क्षेत्रों मे कभी कभार विचरण के दौरान आ जातें हैं। दिन दहाड़े इस वन्य प्राणी का बंदूक से शिकार होना सुरक्षा को लेकर अधिकारियों और वन कर्मियों की सजगता की ओर सवालिया प्रश्न चिन्ह लगाता है। वहीं दूसरी तरफ एक जो चर्चा चल रही है कि विल्धा क्षेत्र के आरोपी यहां पर आकर शिकार कर रहे हैं निश्चित तौर पर इस शिकार के पीछे दो से अधिक व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। स्थानीय व्यक्ति भी तो शामिल हो सकते हैं। किसके सहयोग से इस प्राणी को अपनी जिव्हा का स्वाद बनाने शिकार किया गया। चूंकि प्राणी का वजन और केवल दो व्यक्ति ही इतना मांस कैसे भक्षण कर सकते हैं। जरुर बंदरबांट हुई होगी समीपी और करीबी रिश्तेदार या इष्ट मित्रों को भी शामिल तो किया गया होगा।उस स्थान पर जहां यह सब हुआ किसी की सहमति तो हुई होगी। मुखबिर की सूचना पर घेरा बंदी कर शिकार को पकड़ने में पुलिस काफी लंबे समय बाद थाने पहुंची तब तक वन विभाग थाने में इंतजार करते रहे। जहां से शिकार लाने की बात कही जा रही है वहां से थाने तक पहुंचने में ज्यादा समय भी नहीं लगता। खैर बीच में किसी काम के लिए रुक गये होगें ? चूंकि इस मामले को पुलिस ने ही अपने पास रखा और मामला कायम कर आरोपियों को जेल भेज दिया। लेकिन जहां शिकार हुआ वहां पर वन्य प्राणी के अस्थि पंजर खाल पैर हड्डी या अन्य अवशेष वर्तन काटने वाले और छोटे हथियार चाकू बगैरह ढूंढने तलाशी भी तो की गई होगी। यदि तलाशी नहीं हुई है तो निश्चित तौर पर पर्दे के पीछे के किरदारों ने साक्ष्यों को मिटाने के लिए महती भूमिका भी निभाई होगी। निश्चित तौर पर पुलिस को सफलता तो मिली लेकिन श्रेय लेने के उपरांत यह मामला वन विभाग को सौंप दिया जाना चाहिए था।वन विभाग अपने स्तर से कार्यवाही करती तो वे लोग भी साक्ष्यों के साथ उजागर हो जाते जो इसमें शामिल रहे होंगे।

इनका कहना है

चूंकि इस मामले की पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है वन विभाग का भी सहयोग लिया है और वन्यजीव के मांस को लेकर उसे लेव भेजा गया है। एवं अन्य साक्ष्यों की प्रमाणिकता हेतु जांच चल रही है। बांकि टीआई मैडम से जानकारी की जा सकती है।

गौरव वानखेड़े
रेंजर वन परिक्षेत्र बरमान

विप्र समाज ने किया जे सी ओ का सम्मान

प्रतिभाओं के सम्मान के साथ सामाजिक गतिविधियों पर हुई चर्चा

तेंदूखेड़ा- समीपी ग्राम काचरकोना में विप्र समाज द्वारा एकत्रित होकर प्रतिष्ठित बसेडिया परिवार के मनोज कुमार बसेडिया का भारतीय सेना में जूनियर कमीशंड आफिसर जेसीओ राजपत्रित अधिकारी के रूप में चयनित होने पर उनका अभिनंदन किया गया।इस मौके पर प्रदेश के शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल पूर्व विधायक लोकसभा प्रत्याशी संजय शर्मा दीवान शेलेंद्र सिंह सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं जिले की सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े वरिष्ठ जनों ने शिरकत करते हुए इसे क्षेत्र का गौरव बताया। भगवान परशुराम जी का पूजन-अर्चन दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुये इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने कहा कि निश्चित तौर पर यह कोई असाधारण विषय नहीं है बल्कि वे माता पिता धन्य हैं जिन्होंने अपने इस पाल्य को इस लायक बनाकर देश की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने भी संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि यह हमारे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।प्रतिभाओं को आगे लाने की दिशा मे हर संभव प्रयास किये जायेंगे। पूर्व विधायक संजय शर्मा ने शीघ्र ही प्रतियोगी परीक्षाओं में अब्बल आनै वाले प्रतियोगियों को सम्मानित करने तथा आने वाले समय में विप्र समाज के कार्यक्रमों में हरसंभव सहयोग करने की बात रखते हुए मनोज कुमार बसेडिया ने इस क्षैत्र के लिए गौरवान्वित किया है। कार्यक्रम में उपस्थित विप्र समाज एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी अपनी बात रखी। तथा उपस्थित जन समूह का बसेडिया परिवार द्वारा अभिनंदन किया।काचरकोना ग्राम की तरफ से भी राजपत्रित अधिकारी का नागरिक अभिनंदन किया गया।संचालन मुकेश बसेडिया एवं आभार पं कृष्णकांत शास्त्री के द्वारा व्यक्त किया गया।

सीईओ जिपं ने की विद्यार्थी से चर्चा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में नीट व जेईई कक्षाओं का निःशुल्क संचालन किया जा रहा है। सीईओ जिला पंचायत दिलीप कुमार ने यहां कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों को गणित विषय का अध्यापन कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्येक विषय की शैक्षणिक प्रगति के साथ - साथ समझ में नही आने वाले टॉपिक पर चर्चा की और फीडबैक लिया। वही निरूशुल्क कोचिंग के नवाचार में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए जिला नोडल उत्कृष्ट प्राचार्य को निर्देशित किया। सीईओ जिला पंचायत ने गणित विषय की कक्षा में अध्यापन करा रहे शिक्षक मनीष चैकसे के टापिक के साथ- साथ कक्षा में विद्यार्थियों से सामूहिक चर्चा की।

पारा पंहुचा 45 पर

झुलसाने वाली गर्मी से आम जनजीवन प्रभावित

तेंदूखेड़ा- नौ तपा के दूसरे दिन पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा है। जिससे आम जनजीवन प्रभावित बना हुआ है। सड़कें एक दम सूनी दिख रही है।लोग अपने अपने घरों में बैठे हुए हैं। वहीं पशु पक्षी भी वृक्षों के नीचे बैठे देखे जा रहे हैं। झुलसाने वाली इस गर्मी के कारण लगने वाली लू से बचाव के लिए शासकीय अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक डा रामेश्वर पटेल ने आवश्यक सुझाव देते हुए जनहित में बताया है कि घर से निकलने के पहले भरपेट पानी पिएं खाली पेट बाहर बिल्कुल ना निकलें। ताजा संतुलित भोजन ही ग्रहण करें ज्यादा वरिष्ठ मसालेदार भोजन तथा वासा भोजन बिल्कुल ना करें। तम्बाकू का सेवन भी ना करें।सूती ठीले आराम दायक कपड़े पहने शरीर को हल्के गीले कपड़े से ढककर ही रखें ।धूप में निकलने के पहले छतरी या सिर को गमछे केप से ढंके। ओ आर एस निब्बू पानी छांछ लस्सी या आम के पने का सेवन करें। सिरदर्द बुखार अधिक पसीना बेचैनी शरीर में ऐंठन कमजोरी महशूस होने पर तत्काल प्रभाव से डाक्टर को बतायें।लू लगने की स्थिति में पीड़ति व्यक्ति को छांव में लिटाकर पूरे शरीर को ठंडे पानी से गीला करें या नहलायें। शरीर ज्यादा गर्म होने पर सिर पर लगातार गीली पट्टी भी रखतें चलें। छोटे छोटे बच्चों को धूप में बिल्कुल भी ना निकलने दें। कोशिश करें कि बाहर के काम सुबह जल्दी या शाम के समय ही करें शेष समय घर पर या सरकारी अधिकारी कर्मचारी आफिसों में ही निकालें।